शुक्रवार
17 जुलाई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 174
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राहुल के बहाने कांग्रेस में लौटी 'रौनक'

कार्यालय संवाददता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 भले अभी कुछ समय दूर हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। इसी क्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा कांग्रेस के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन में नई ऊर्जा भरने वाला अवसर बन गया है। लंबे समय बाद ऐसा देखने को मिला कि प्रदेश कांग्रेस का लगभग पूरा संगठन एक ही मंच पर सक्रिय और उत्साहित दिख रहा है। राहुल गांधी के देहरादून आगमन और छात्रों की गूंज कार्यक्रम ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा कर दिया है। कांग्रेस भले इस कार्यक्रम को छात्रों के मुद्दों पर संवाद बता रही हो, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके जरिए पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह आगामी चुनाव में बेरोजगारी, पेपर लीक, शिक्षा और युवाओं के भविष्य को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी कर रही है।

❑उत्तराखंड दौरे से कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश
❑छात्रों की गूंज से कांग्रेस देगी राजनीतिक संदेश
❑युवाओं के मुद्दों पर सीधे मैदान में उतरेगा विपक्ष

उत्तराखंड में लंबे समय से बेरोजगारी और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर असंतोष रहा है। कांग्रेस इन्हीं मुद्दों को सरकार के खिलाफ राजनीतिक हथियार बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। राहुल गांधी के दौरे का सबसे बड़ा असर संगठनात्मक स्तर पर देखने को मिलेगा।

पिछले कुछ समय से गुटबाजी और निष्क्रियता के आरोप झेल रही प्रदेश कांग्रेस में इस कार्यक्रम के बहाने नेताओं और कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ गई है। जिला इकाइयों से लेकर प्रदेश नेतृत्व तक तैयारियों में जुटा दिखाई दिया। कार्यकर्ताओं का मानना है कि राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रिय मौजूदगी से संगठन में मनोबल बढ़ा है और चुनावी तैयारियों को गति मिलेगी।

हालांकि राजनीतिक पर्यवेक्षक यह भी मानते हैं कि किसी एक दौरे से संगठन की पुरानी चुनौतियां स्वत: समाप्त नहीं हो जातीं। कांग्रेस के सामने अभी भी बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना, गुटीय मतभेदों को कम करना और एकजुट चुनावी रणनीति बनाना जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। राहुल गांधी के दौरे को भाजपा ने राजनीतिक कार्यक्रम करार देते हुए उस पर सवाल उठाए हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस युवाओं के मुद्दों का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है, जबकि कांग्रेस का रिकार्ड भी जनता के सामने है। यानी राहुल गांधी के दौरे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह जितना बढ़ाया है, उतना ही भाजपा को भी अपनी राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज करने का अवसर दिया है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उत्तराखंड का चुनाव केवल स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रहेगा। राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस इस बार चुनावी तैयारी आखिरी समय पर नहीं, बल्कि काफी पहले से शुरू करना चाहती है। यदि राहुल गांधी भविष्य में भी उत्तराखंड का नियमित दौरा करते हैं और पार्टी युवाओं, महिलाओं, किसानों तथा पलायन जैसे स्थानीय मुद्दों पर लगातार अभियान चलाती है, तो कांग्रेस को संगठनात्मक लाभ मिल सकता है।

राहुल गांधी के दौरे ने कांग्रेस में उत्साह का संचार जरूर किया है, लेकिन चुनाव केवल उत्साह से नहीं जीते जाते। उत्साह को संगठन में, संगठन को जनसमर्थन में और जनसमर्थन को वोट में बदलना सबसे कठिन राजनीतिक परीक्षा होती है। उत्तराखंड

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

राहुल गांधी पहुंचे दिवंगत कांग्रेसी नेता अमर मेहता के घर

संवाददाता

देहरादून। राहुल गांधी 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले दिवंगत कांग्रेसी नेता अमर सिंह मेहता के घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मिलकर मृतक की आत्मा की शांति की दुआ मांगी। आज यहां राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे 'छात्रों की गूंज' के लिए दून पहुंचे। इस दौरान उनको ज्ञात हुआ कि कार्यक्रम की तैयारियों के दौरान लौहे का पिलर गिरने से कांग्रेसी कार्यकर्ता अमर सिंह मेहता गम्भीर रूप से घायल हो गये थे। जिनको सीएमआई अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। हादसे के बाद कार्यक्रम स्थल पर अफरा तफरी मच गयी। अमर सिंह मेहता कांग्रेस महानगर कमेटी के महामंत्री आलोक मेहता के पिता थे। आज दोपहर राहुल गांधी जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचे और वहां से सीधे अमर सिंह मेहता के घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मिलकर मृतक अमर सिंह मेहता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाई ने भाई को मारी गोली!

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पुरानी रंजिश के चलते प्रधान पति ने देर रात अपने सगे भाई पर फायर झोंक दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। जबकि सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं अब पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

मामला कलियर कोतवाली क्षेत्र के बाजुहेड़ी गांव का है। यहां देर रात पुरानी रंजिश के चलते प्रधान पति ने अपने सगे भाई को लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार दी। गोली लगने से 50 वर्षीय राजेश सैनी गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी।

File Photo

जानकारी के अनुसार बाजुहेड़ी गांव निवासी प्रधान पति किशोर सैनी और उनके भाई के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। बीती देर रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर किशोर सैनी ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से राजेश पर गोली चला दी। गोली लगते ही राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। वारदात के बाद से आरोपी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

सरकार और विपक्ष से सवाल

देश में इस समय यदि कोई ऐसा मुद्दा है, जिसने करोड़ों युवाओं के धैर्य, मेहनत और भविष्य को सबसे अधिक चोट पहुंचाई है, तो वह हैकृपेपर लीक। भर्ती परीक्षाओं का प्रश्नपत्र लीक होना अब अपवाद नहीं, बल्कि एक चिंताजनक प्रवृत्ति बनता जा रहा है। हर बार लाखों अभ्यर्थी महीनों और वर्षों की तैयारी के बाद परीक्षा केंद्र तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ घंटों बाद उन्हें यह सुनने को मिलता है कि परीक्षा रद्द कर दी गई है। कारण पेपर लीक। यह केवल परीक्षा रद्द होने की खबर नहीं होती, बल्कि लाखों युवाओं के सपनों पर लगी रोक होती है। इसी बीच देश में दो समानांतर तस्वीरें दिखाई देती हैं। दिल्ली में शिक्षाविद सोनम पेपर लीक के खिलाफ अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हैं। उनका कहना है कि यह किसी एक परीक्षा या एक राज्य का मामला नहीं, बल्कि देश की परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता का संकट है। दूसरी ओर, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों से संवाद कर रहे हैं। वह बेरोजगारी, परीक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य पर सरकार से सवाल पूछ रहे हैं। दोनों घटनाओं का केंद्र एक ही है छात्र। लेकिन एक सवाल लगातार उठ रहा है। यदि पेपर लीक आज देश का सबसे बड़ा छात्र मुद्दा है, तो क्या विपक्ष के सबसे बड़े नेता को सड़क पर चल रहे ऐसे आंदोलनों के साथ भी प्रत्यक्ष रूप से खड़ा दिखाई देना चाहिए? क्या संसद में उठाई गई आवाज और धरने पर बैठे लोगों के बीच कोई पुल बनना चाहिए? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि लोकतंत्र में केवल सरकार ही जवाबदेह नहीं होती। विपक्ष भी जनता की उम्मीदों का प्रतिनिधि होता है। जब विपक्ष सरकार से जवाब मांगता है, तब जनता विपक्ष से भी यह पूछने का अधिकार रखती है कि वह स्वयं इस संघर्ष में कितनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। हालांकि, यह भी उतना ही सही है कि किसी भी जन आंदोलन का महत्व केवल इस बात से तय नहीं किया जा सकता कि उसमें कौन-सा बड़ा नेता शामिल हुआ और कौन नहीं। लोकतांत्रिक समर्थन कई रूपों में व्यक्त किया जा सकता हैकृसंसद में बहस, सार्वजनिक बयान, नीति सुझाव या प्रत्यक्ष भागीदारी के माध्यम से। इसलिए केवल किसी मंच पर उपस्थित न होने से किसी नेता की प्रतिबद्धता पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। फिर भी राजनीति में प्रतीकों का अपना महत्व होता है। किसी बड़े नेता की उपस्थिति किसी आंदोलन को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला सकती है। इसलिए यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या छात्र आंदोलन केवल चुनावी भाषणों का विषय रहेंगे, या राजनीतिक दल उनके संघर्षों के साथ भी निरंतर खड़े दिखाई देंगे। पेपर लीक अब किसी एक राज्य की समस्या नहीं है। उत्तराखंड से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा और अन्य राज्यों तक अनेक भर्ती परीक्षाएं विवादों में रही हैं। इससे युवाओं के मन में यह धारणा गहराती है कि उनकी मेहनत से अधिक मजबूत पेपर लीक का नेटवर्क है। सबसे बड़ा संकट यही है कि अब छात्रों का गुस्सा केवल सरकार के खिलाफ नहीं है। वह पूरी राजनीतिक व्यवस्था से सवाल पूछ रहा है। युवा पूछ रहा है जब हमारा भविष्य दांव पर था, तब सत्ता क्या कर रही थी? और साथ ही यह भी पूछ रहा हैकृजब हम सड़क पर संघर्ष कर रहे थे, तब विपक्ष कहां था? यह लोकतंत्र का स्वस्थ संकेत है कि सवाल सभी से पूछे जाएं सत्ता से भी और विपक्ष से भी। क्योंकि युवाओं का भविष्य किसी दल का चुनावी घोषणापत्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। आज आवश्यकता आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि ऐसी परीक्षा व्यवस्था की है जिसमें प्रश्नपत्र बाजार की वस्तु न बने, भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी हो और दोषियों को त्वरित एवं कठोर दंड मिले। क्योंकि हर बार जब कोई पेपर लीक होता है, तब केवल प्रश्नपत्र नहीं लीक होता देश के युवाओं का विश्वास भी लीक होता है और जिस दिन यह विश्वास पूरी तरह टूट गया, उस दिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा शुरू होगी।

स्वास्थ्य मंत्री से की कोरोनेशन अस्पताल में एमआरआई मशीन लगाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। कोरोनेशन अस्पताल में एमआरआई मशीन लगाने की मांग को लेकर स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां आंदोलनकारी मोहन खत्री ने स्वास्थ्य मंत्री सुंबोध उनियाल से उनके आवास पर भेंट कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि वर्तमान में दीनदयाल उपाध्याय कोरोनेशन चिकित्सालय पर देहरादून में एमआरआई मशीन के न होने से मरीजों को काफी कठिनाई का सामना करना पड रहा है। चूंकि गरीब परिवार के मरीजों को कोरोनेशन अस्पताल पर अत्यधिक निर्भरता है तथा चिकित्सालय में एमआरआई मशीन न होने से रोगियों को कठिनाई का सामना करना पड रहा है तथा गरीब परिवारों को निजी चिकित्सालयो में महंगे दामों पर एमआरआई कराने के लिए मजबूर होना पड रहा है। उन्होंने कहा कि दीन दयाल उपाध्याय कोरोनेशन चिकित्सालय व गांधी शताब्दी चिकित्सालय को जिला चिकित्सालय के रूप में मान्यता दी गयी है परन्तु इन चिकित्सालयो में कई प्रकार की सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। चिकित्सालय में एमआरआई की सुविधा न होने से जनता को प्राइवेट संस्थानों में परीक्षण कराना पड रहा है जो कि काफी महंगा है। इस सम्बन्ध में पूर्व में कई बार विभाग से अनुरोध किया गया परन्तु अभी तक चिकित्सालय में एमआरआई मशीन नहीं लग पायी है। मंत्री ने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया।

भाजपा में बाहर 'आल इज वेल' भीतर हलचल

कार्यालय संवाददता

देहरादून। उत्तराखंड भाजपा बाहर से जितनी अनुशासित और आत्मविश्वास से भरी दिखाई देती है, भीतर की तस्वीर उतनी ही जटिल बताई जा रही है। सत्ता में लगातार दूसरा कार्यकाल पूरा कर रही पार्टी अब 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रही है, लेकिन चुनावी रणनीति बनाने से पहले उसे अपने ही घर की कई चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है। भाजपा सार्वजनिक मंचों पर संगठन सबसे ऊपर का संदेश दे रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विकास योजनाओं और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों के सहारे चुनावी माहौल बनाने में जुटे हैं। दूसरी ओर संगठन बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का दावा कर रहा है। लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा इस बात की भी है कि पार्टी के भीतर कई ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब अभी तलाशा जाना बाकी है।

भाजपा के भीतर सबसे ज्यादा चर्चा टिकट वितरण को लेकर है। कई मौजूदा विधायक अपने क्षेत्रों में बढ़ते असंतोष का सामना कर रहे हैं। दूसरी तरफ संगठन के भीतर ऐसे नेता भी हैं, जो मानते हैं कि यदि जीत दोहरानी है तो कई सीटों पर नए चेहरे उतारने होंगे। यही वजह है कि चुनाव भले अभी दूर हो, लेकिन टिकट की दौड़ अभी से शुरू हो चुकी है। कई दावेदार संगठन में अपनी सक्रियता बढ़ा रहे हैं, तो कई दिल्ली और देहरादून के बीच राजनीतिक संपर्क मजबूत करने में लगे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका संगठन माना जाता है। लेकिन लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाद कई क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं की यह शिकायत सुनाई देती है कि उनकी भूमिका चुनाव तक सीमित होकर रह गई है। कुछ कार्यकर्ता यह भी मानते हैं कि स्थानीय स्तर पर उनकी बात प्रशासन तक नहीं पहुंच रही। हालांकि पार्टी नेतृत्व लगातार संवाद और संगठनात्मक बैठकों के जरिए इस दूरी को कम करने की कोशिश कर रहा है।

भाजपा के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती स्वाभाविक सत्ता-विरोधी माहौल एंटी-इनकंबेंसी से निपटना है। महंगाई, बेरोजगारी, पलायन, स्थानीय विकास और सरकारी सेवाओं से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष लगातार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। पार्टी की रणनीति इन मुद्दों का जवाब विकास परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे और कानून-व्यवस्था के रिकॉर्ड के आधार पर देने की है। लेकिन चुनावी मैदान में स्थानीय मुद्दों की अहमियत हमेशा बनी रहती है।

भाजपा के भीतर एक और चर्चा यह है कि क्या 2027 का चुनाव पुराने राजनीतिक चेहरों के भरोसे लड़ा जाएगा या युवाओं और नए नेतृत्व को अधिक अवसर मिलेगा। यह फैसला आसान नहीं होगा। पुराने नेताओं का अनुभव पार्टी की ताकत है, जबकि नए चेहरों की मांग कार्यकर्ताओं के एक वर्ग की अपेक्षा है। दोनों के बीच संतुलन बनाना नेतृत्व के लिए बड़ी चुनौती होगी। राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि चुनाव विपक्ष से पहले अपने संगठन से जीते जाते हैं। यदि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखती है, स्थानीय असंतोष को समय रहते संबोधित करती है और टिकट वितरण में संतुलन बना पाती है, तो चुनावी मुकाबले में उसे लाभ मिल सकता है। लेकिन यदि आंतरिक मतभेद सार्वजनिक असंतोष में बदलते हैं, तो विपक्ष को राजनीतिक अवसर मिल सकता है।

भाजपा 2027 में विकास, स्थिरता और नेतृत्व को चुनावी मुद्दा बनाना चाहती है। वहीं कांग्रेस बेरोजगारी, पेपर लीक, महंगाई और स्थानीय असंतोष को मुद्दा बनाने की तैयारी में है। ऐसे में भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल विपक्ष का मुकाबला करना नहीं, बल्कि अपने संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं के भरोसे को मजबूत बनाए रखना भी होगी। 2027 का चुनाव अभी दूर है, लेकिन राजनीतिक बिसात बिछनी शुरू हो चुकी है। भाजपा के सामने सबसे बड़ा सवाल विपक्ष नहीं, बल्कि यह है कि क्या वह सत्ता की स्वाभाविक चुनौतियों के बीच संगठनात्मक ऊर्जा और आंतरिक समन्वय को उसी मजबूती से बनाए रख पाएगी, जिसने उसे पिछले चुनावों में सफलता दिलाई थी।

राहुल गांधी के 'छात्र संवाद' पर बीजेपी की घेराबंदी

कार्यालय संवाददता

देहरादून। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के देहरादून में प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले उत्तराखंड की राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के छात्र संवाद को राजनीतिक कार्यक्रम बताते हुए छात्रों से अपील की है कि वह केवल वर्तमान सरकार से ही नहीं, बल्कि कांग्रेस के शासनकाल से जुड़े विवादों और घोटालों पर भी राहुल गांधी से सवाल पूछें। भाजपा का कहना है कि यदि यह कार्यक्रम वास्तव में छात्रों के सवाल सुनने का मंच है, तो उसमें सवालों पर किसी प्रकार की वैचारिक या राजनीतिक सीमा नहीं होनी चाहिए। छात्रों को यह अधिकार होना चाहिए कि वह वर्तमान सरकार के साथ-साथ पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल, भर्ती प्रक्रियाओं, भ्रष्टाचार के आरोपों और शासन की कार्यशैली पर भी जवाब मांगें।

राहुल गांधी का छात्रों की गूंज कार्यक्रम बेरोजगारी, पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों पर केंद्रित बताया जा रहा है। कांग्रेस इसे युवाओं की आवाज को राष्ट्रीय मंच देने की पहल बता रही है। लेकिन भाजपा इसे आगामी चुनावों से जोड़कर देख रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि यदि कार्यक्रम निष्पक्ष संवाद है, तो उसमें केवल भाजपा सरकारों की आलोचना नहीं, बल्कि कांग्रेस के शासनकाल का भी मूल्यांकन होना चाहिए।

भाजपा नेताओं का तर्क है कि लोकतंत्र में संवाद तभी सार्थक माना जाएगा, जब उसमें असहज सवाल पूछने की भी पूरी स्वतंत्रता हो। यदि छात्रों को प्रश्न पूछने का अवसर दिया जा रहा है, तो उन्हें यह भी पूछना चाहिए कि कांग्रेस शासन के दौरान युवाओं के लिए कौन-से स्थायी सुधार किए गए, भर्ती प्रक्रियाओं की स्थिति क्या थी और भ्रष्टाचार के आरोपों पर कांग्रेस का पक्ष क्या है।

◆राहुल से पूछिए कांग्रेस राज के घोटालों का भी हिसाब
◆छात्रों की गूंज से पहले भाजपा का राहुल पर पलटवार
◆कहा-संवाद हो तो सवाल एकतरफा नहीं होने चाहिए

उत्तराखंड में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच युवा मतदाता दोनों प्रमुख दलों की राजनीति के केंद्र में आ गए हैं। कांग्रेस बेरोजगारी, पेपर लीक और रोजगार को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है, जबकि भाजपा अपने विकास कार्यों, पारदर्शी भर्ती प्रणाली और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई को सामने रख रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युवाओं के मुद्दे पर दोनों दलों के बीच वैचारिक संघर्ष अब और तेज होगा। कांग्रेस सरकार की जवाबदेही तय करने की बात कर रही है, जबकि भाजपा विपक्ष से उसके अतीत का हिसाब मांग रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि छात्र केवल वर्तमान सरकार से ही नहीं, बल्कि राहुल गांधी से भी कुछ अहम सवाल पूछ सकते हैं। भाजपा का कहना है कि लोकतंत्र में जवाबदेही सभी राजनीतिक दलों की होनी चाहिए, केवल सत्ता पक्ष की नहीं। दूसरी ओर कांग्रेस का दावा है कि राहुल गांधी छात्रों की वास्तविक समस्याओं को सुनने और उन्हें राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाने के लिए संवाद कर रहे हैं। पार्टी का कहना है कि बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे मुद्दे किसी दल के नहीं, बल्कि पूरे देश के युवाओं के हैं।

राहुल के बहाने कांग्रेस में..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

की राजनीति में यह अक्सर देखा गया है कि बड़े नेताओं की सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ हमेशा चुनावी परिणामों में नहीं बदलती। इसलिए कांग्रेस के लिए यह दौरा शुरुआत तो माना जा सकता है, लेकिन मंजिल नहीं। राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा कांग्रेस के लिए मनोवैज्ञानिक बढ़त और संगठनात्मक ऊर्जा का स्रोत बनकर उभर सकता है। इससे कार्यकर्ताओं में जोश लौटेगा और पार्टी को एक नया चुनावी नैरेटिव गढ़ने का अवसर मिलेगा। अब यह कांग्रेस की रणनीति और संगठनात्मक क्षमता पर निर्भर करेगा कि वह इस उत्साह को 2027 के विधानसभा चुनाव तक कितनी मजबूती से बनाए रख पाती है। फिलहाल इतना तय है कि राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे ने उत्तराखंड कांग्रेस में नई हलचल पैदा कर दी है और यही हलचल आने वाले महीनों में राज्य की राजनीति का तापमान तय करने में भूमिका निभा सकती है।

मनोरमा डोबरियाल शर्मा मैमोरियल फाउंडेशन ने पौधे बांट मनाया हरेला

हमारे संवाददाता

देहरादून। मनोरमा डोबरियाल शर्मा मैमोरियल फाउंडेशन व काफल चैप्टर ऑफ गढ़वाल द्वारा संयुक्त रुप से पंचायती मन्दिर गांधी रोड़ देहरादून में हरेला महोत्सव के मनाया गया, जिसमें पंडित शषि बल्लभ शास्त्री ने पूजा अर्चना की। इस अवसर पर कांग्रेस चुनाव प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष ड़ा हरक सिंह रावत ने कहा कि हरेला पर्व हमारी लोक संस्कृति व परम्परा की पहचान है हम सभी को ये संकल्प लेना कि हमे अपने पर्यावरण की संरक्षण व संवर्ध के लिए हरेला पर्व को अपनी आने वाली पीढियों का इसका महत्व समझाये और सभी कम से कम 2 वृक्ष अवश्य लगाये व उसकी रक्षा भी करे।

प्रदेश कांग्रेस महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि हरेला हमारी परम्परा, हमारी संस्कृति की प्रतीक है मॉ नंदा देवी के मायके से जुड़ी हमारी परम्पराओं को इससे जोड़कर देखा जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पदमश्री कन्हैया लाल पौखरियाल ने कहा कि उत्तराखण्ड़ में हमारी बेटीयों को मायके से खुशहाली के रुप में हरियाली भेजने की परम्परा है, शिव-पार्वती के रुप में भी ये परम्परा विद्धमान रही है। कार्यक्रम का संचालन मोहन सिंह नेगी ने किया। वहीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष ड़ा जसविंदर सिंह गोगी ने हमें अपने राज्य की इस प्राकृतिक व सास्कृतिक विरासत को अपने आने वाली पीढी के लिये भी सहज के रखना है, इस प्रकृतिक व सास्कृतिक विविधता के सम्वर्धन व सुवर्धन के लिये भी प्रयास करना है।

मनोरमा डोबरियाल शर्मा मैमोरियल फाउंडेशन की अध्यक्ष व काफल चैप्टर ऑफ गढ़वाल की संयोजक आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा ने सभी को हरेला की शुभकामना देते हुए बताया हमें अपने राज्य की इस प्राकृतिक व सास्कृतिक विरासत को अपने आने पीढी के लिये भी सहज के रखना है, इस प्रकृतिक व सास्कृतिक विविधता के सम्वर्धन व सुवर्धन के लिये भी प्रयास करना है। हरियाली की पूजा अर्चना के उपरान्त झंगोरे की खीर व मंडुवे की पकौड़ी के प्रसाद के रुप में वितरित की गई।

नेताजी संघर्ष समिति ने हरेला पर्व को संकल्प दिवस के रूप में मनाया

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने हरेला का पावन पर्व संकल्प दिवस के रूप में मनाया।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने हरेला का पावन पर्व संकल्प दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने बताया कि समिति ने जो वृक्ष पिछले वर्ष लगाए थे उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि समिति ने इस वर्ष वृक्ष न लगा कर पहले लगाए गए वृक्षों की देखभाल करने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा कि लगाए गए पेड़ों की देखभाल भी बहुत जरूरी है। प्राय देखा गया है कि पेड़ों की देखभाल नहीं हो पाती है पेड़ लगाना जरूरी हैं लेकिन उनकी सिंचाई देखभाल उससे भी अधिक महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ीकरण के नाम पर वृक्ष काटे जा रहे हैं जो की एक विचारणीय विषय है। एक तरफ पेड़ काटे जा रहे हैं दूसरी ओर वृक्ष लगाने की बात कही जा रही है।

वृक्षों की रक्षा का संकल्प लेने वालों में समिति के प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, प्रदीप कुकरेती, जय बिष्ट, सुशील विरमानी, दानिश नूर, अजीत वर्मा, गुलाम मुस्तफा, पारस यादव, नितिन राठौड़, संदीप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पहाड़ में 'कुयेड़ी' है जादुई 'स्वप्नलोक'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ की सुबह का अपना एक अलग ही जादू होता है। सूरज निकलने से पहले जब ऊँचे पर्वत की ऊपरी धार और चोटियाँ सफेद धुंध की चादर से ढक जाती हैं, तो स्थानीय लोग कहते हैं आज कुयेड़ी छाई छ। यह केवल धुंध नहीं, बल्कि पहाड़ की संस्कृति, लोकभाषा और प्रकृति का ऐसा हिस्सा है, जो सदियों से पहाड़ के जीवन को आकार देता आया है। आज भी बरसात और सर्दियों की सुबह जब कुयेड़ी घाटियों से उठकर डांडि-कांठ्यूँ को अपने आगोश में ले लेती है, तो पूरा वातावरण किसी स्वप्नलोक जैसा दिखाई देता है। दूर-दूर तक फैले देवदार, बुरांश और बांज के जंगल धुंध में ऐसे खो जाते हैं, मानो प्रकृति स्वयं ध्यानमग्न हो गई हो।

गढ़वाली और कुमाऊँनी बोली में कुयेड़ी का अर्थ है घना कोहरा या धुंध। लेकिन स्थानीय लोगों के लिए यह केवल मौसम नहीं, बल्कि प्रकृति का एक जीवंत रूप है। सुबह-सुबह खेतों में काम करने वाले किसान कहते हैं कि यदि कुयेड़ी देर तक बनी रहे तो दिन में मौसम सुहावना रहने की संभावना रहती है। वहीं कभी-कभी यही कुयेड़ी तेज बारिश का संकेत भी मानी जाती है। पहाड़ के ऊँचे डांडि-कांठ्यूँ पर जब कुयेड़ी उतरती है, तो ऐसा लगता है जैसे बादल धरती पर आ गए हों। पहाड़ की चोटियाँ कभी दिखाई देती हैं, तो अगले ही पल पूरी तरह गायब हो जाती हैं। सूरज की पहली किरण जब इस धुंध को चीरती हुई निकलती है, तो पूरा आकाश सुनहरे रंग में रंग जाता है। यही दृश्य हर साल हजारों पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों को पहाड़ की ओर खींच लाता है।

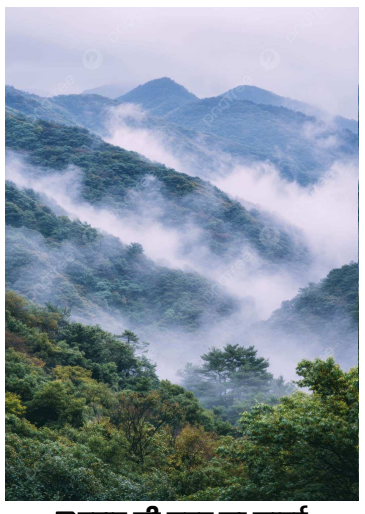

❑पहाड़ की सुबह का जादुई स्वप्नलोक, प्रकृति का ध्यानमग्न रुप
❑जब देवदार और बुरांश के जंगलों पर छाता है प्रकृति का जादू
❑पहाड़ की सुबह का रहस्यमयी सौंदर्य जो अब होता जा रहा दुर्लभ

गढ़वाली और कुमाऊँनी लोकगीतों में कुयेड़ी का विशेष स्थान है। लोकगीतों में प्रेमिका अपने प्रिय का इंतजार करते हुए कहती है कि डांडि-कांठ्यूँ में छाई कुयेड़ी रास्ता रोक रही है। कई गीतों में यह विरह का प्रतीक है तो कहीं मिलन का संदेश लेकर आती है। स्थानीय लोककथाओं में भी धुंध को देवताओं की उपस्थिति और प्रकृति की पवित्रता से जोड़कर देखा गया है। पहाड़ों में कुयेड़ी केवल सुंदरता नहीं लाती, बल्कि खेती के लिए भी महत्वपूर्ण होती है। यह वातावरण में नमी बनाए रखती है। फसलों को अत्यधिक तापमान से बचाती है। जंगलों और घास के मैदानों में प्राकृतिक नमी बनाए रखने में मदद करती है। कई जंगली पौधों और औषधीय वनस्पतियों के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि पहले बरसात और सर्दियों में कई-कई दिनों तक डांडि-कांठ्यूँ कुयेड़ी से ढके रहते थे। लेकिन अब मौसम में बदलाव साफ दिखाई देने लगा है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई और बढ़ते तापमान के कारण धुंध बनने का प्राकृतिक चक्र भी प्रभावित हो रहा है। कई क्षेत्रों में पहले जैसी घनी कुयेड़ी अब कम दिखाई देती है। पर्यावरण विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि जंगलों का संरक्षण नहीं किया गया तो भविष्य में यह प्राकृतिक दृश्य केवल तस्वीरों तक सीमित हो सकता है। पहाड़ में बर्फबारी और फूलों की घाटी जितनी लोकप्रिय है, उतनी ही आकर्षक कुयेड़ी से ढकी पहाड़ों की सुबह भी हो सकती है। यदि राज्य सरकार और पर्यटन विभाग इस प्राकृतिक धरोहर को मार्निंग मिस्ट टूरिज्म या क्लाउड व्यू ट्रेल जैसी अवधारणाओं से जोड़ें, तो यह ग्रामीण पर्यटन को नई दिशा दे सकती है। स्थानीय होमस्टे, ट्रैकिंग मार्ग और गाँवों की अर्थव्यवस्था को भी इसका लाभ मिल सकता है। पहाड़ की पहचान केवल हिमालय, मंदिर और नदियाँ नहीं हैं। डांडि-कांठ्यूँ में उतरती कुयेड़ी भी पहाड़ की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। जब अगली बार किसी पहाड़ी गाँव की सुबह कुयेड़ी में लिपटी दिखाई दे, तो उसे केवल धुंध समझकर आगे न बढ़ जाएँ। वह प्रकृति का एक ऐसा संदेश है, जो हमें याद दिलाता है कि पहाड़ की असली खूबसूरती उसकी सादगी, उसकी लोकसंस्कृति और उसके बदलते मौसम में बसती है।

बदरीनाथ मामले में 'शब्दभेदी बाणों' की बौछार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बदरीनाथ धाम के चढ़ावा प्रकरण ने अब पूरी तरह राजनीतिक रंग ले लिया है। पहले यह मामला मंदिर की व्यवस्था, पारदर्शिता और जांच तक सीमित था, लेकिन अब यह कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखे राजनीतिक हमलों का नया अखाड़ा बन गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के बीच बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। दोनों दल एक-दूसरे पर आरोपों के शब्दभेदी बाण चला रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि बदरीनाथ का चढ़ावा अब श्रद्धा से ज्यादा सियासी रणनीति का मुद्दा बनता जा रहा है।

कांग्रेस का आरोप है कि बदरीनाथ धाम के चढ़ावे से जुड़ा मामला केवल वित्तीय अनियमितता नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा प्रश्न है। पार्टी का कहना है कि यदि मंदिर समिति के भीतर गड़बड़ियां हुई हैं, तो केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। पूरे मामले की निष्पक्ष और जवाबदेह जांच होनी चाहिए। गणेश गोदियाल लगातार सरकार से पूछ रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी घटना के लिए जवाबदेह कौन है और जिम्मेदारी तय कब होगी? भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए पलटवार किया है। पार्टी का कहना है कि सरकार ने शिकायत सामने आते ही जांच

◆बदरीनाथ चढ़ावा प्रकरण में आमने-सामने गोदियाल-द्विवेदी
◆आस्था से शुरु हुआ विवाद अब सियासी संग्राम में तब्दील
◆आरोपों और पलटवारों से गरमा गई उत्तराखंड की राजनीति

बैठाई, कार्रवाई शुरू की और दोषियों के खिलाफ कदम उठाए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस आस्था के विषय पर भी राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। हेमंत द्विवेदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता सब देख रही है और विपक्ष हर मुद्दे में राजनीति खोज रहा है।

बदरीनाथ चढ़ावा प्रकरण पर अब दोनों दलों की भाषा भी लगातार तीखी होती जा रही है। प्रेस वार्ताओं, सोशल मीडिया पोस्ट और सार्वजनिक मंचों से एक-दूसरे पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विधानसभा चुनाव 2027 नजदीक आने के साथ धार्मिक और जनभावनाओं से जुड़े मुद्दों पर बयानबाजी और तेज हो सकती है। बदरीनाथ धाम केवल उत्तराखंड का नहीं, बल्कि देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में इस तरह के विवादों पर राजनीति होना स्वाभाविक रूप से संवेदनशील विषय बन जाता है। किसी भी अनियमितता की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, लेकिन राजनीतिक दलों को भी अपने बयान इस तरह देने चाहिए कि श्रद्धालुओं का विश्वास कमजोर न हो।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस इस मुद्दे को सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता से जोड़कर आगे बढ़ाना चाहती है, जबकि भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि उसने शिकायत मिलते ही कार्रवाई की और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। यानी आने वाले दिनों में यह विवाद केवल जांच तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि चुनावी सभाओं और राजनीतिक विमर्श का हिस्सा भी बन सकता है।

बदरीनाथ चढ़ावा प्रकरण की जांच अपनी जगह चल रही है, लेकिन राजनीति ने अपनी रफ्तार पकड़ ली है। अब गोदियाल और द्विवेदी के बीच शब्दभेदी बाणों की बौछार यह संकेत दे रही है कि उत्तराखंड में 2027 की चुनावी लड़ाई केवल विकास और रोजगार तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आस्था से जुड़े मुद्दे भी राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रहेंगे। फिलहाल सवाल यही हैकृक्या इस सियासी शोर में बदरीनाथ धाम की आस्था और निष्पक्ष जांच का मूल मुद्दा कहीं पीछे तो नहीं छूट जाएगा?

हरेला पर्वः मंत्री रेखा आर्या ने किया पौधारोपण

संवाददाता

पिथौरागढ़। कुमाऊं रेजीमेंट की 130 इन्फैट्री बटालियन की ओर से वरदानी पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम में मंत्री रेखा आर्य ने पहुंचकर पौधारोपण किया।

आज यहां उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के अवसर पर कुमाऊं रेजीमेंट की 130 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) की ओर से वरदानी पार्क में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या शामिल हुईं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया और लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति में हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरेला हमें पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण छोड़ने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण का अभियान और अधिक प्रभावी होगा। वरदानी पार्क में आयोजित कार्यक्रम के उपरांत कैबिनेट मंत्री सहित सभी अतिथियों ने पर्यावरण पार्क पहुंचकर विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और हरित उत्तराखंड के निर्माण का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी, राज्य मंत्री (दर्जा प्राप्त) गणेश जोशी, जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद, मेयर कल्पना देवलाल, भाजपा प्रदेश मंत्री दीपिका बोहरा, जिला महामंत्री इंदर लुंठी, भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दीपक लोहिया, जिलाधिकारी आशीष भटगांई, प्रभागीय वनाधिकारी आशुतोष सिंह, 130 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) के कर्नल गौरव नेगी, पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सैन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

'हरित दून' के संकल्प के साथ एमडीडीए ने रखा 1 लाख पौधों का लक्ष्य

संवाददाता

देहरादून। लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। देहरादून के कैनाल रोड स्थित चिड़ोवाली क्षेत्र से शुरू हुए 'हरित दून अभियान' के तहत अगले एक वर्ष में एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की शुरुआत एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने पौधरोपण कर की। इस दौरान स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों और अधिकारियों ने भी उत्साहपूर्वक पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति उत्तराखंड की आस्था और संवेदनशीलता का प्रतीक है। ऐसे में एमडीडीए का यह अभियान लोगों को प्रकृति से जोड़ने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। चिड़ोवाली क्षेत्र में हुए पौधरोपण कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाए गए। अधिकारियों ने बताया कि अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उनके संरक्षण और नियमित निगरानी की भी व्यवस्था की जाएगी।

बच्चों की सेहत के लिए ठीक नहीं है चकोतरा

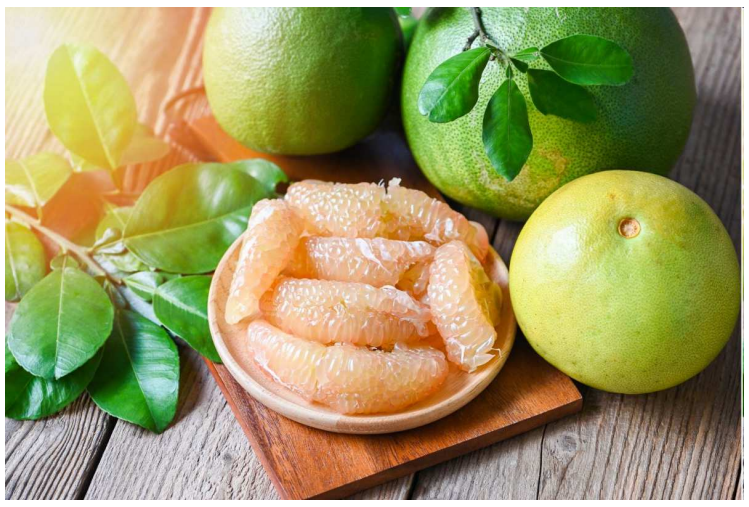

फल खाने से सेहत दुरुस्त रहती है। यह हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद होती है। बच्चों को भी कम उम्र से ही हेल्दी चीजें जैसे फल खाने की आदत डलवानी चाहिए। हालांकि, कुछ फल बच्चों की सेहत के लिए ठीक नहीं माने जाते हैं। इनमें चकोतरा भी शामिल है। चकोतरा सेहतमंद फल माना जाता है। हालांकि बच्चों को ये फल खिलाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। वरना उन्हें नुकसान हो सकता है। आइए जानते हैं बच्चों को कब चकोतरा खिलाना चाहिए और कब नहीं।।।

बच्चों को 12 महीने की उम्र से पहले कभी भी खट्टे फल न खिलाने की सलाह दी जाती है। दरअसल, ये फल एसिडिक होते हैं। जिसकी वजह से बच्चे की स्किन पर दाने निकल सकते हैं। हालांकि, पीडियाट्रिशियन की सलाह पर 6 महीने के बाद बच्चों को चकोतरा खिला सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर कोई बच्चा कैल्शियम एंटागोनिस्ट, सिसाप्राइड और सिक्लोस्पोरिन जैसी दवाईयां ले रहा है तो उन्हें चकोतरा नहीं देना चाहिए। क्योंकि चकोतरा खाने से दवा का असर और बायो अवेलिबिलिटी प्रभावित हो सकता है। अगर आपका शिशु कोई दवा ले रहा है तो बच्चों को चकोतरा या उससे बना कोई भी प्रोडक्ट्स खिलाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

चकोतरा कितना फायदेमंद

चकोतरा का गूदा विटामिन ए और सी के साथ पोटेशियम से भरपूर है। इसमें लाइकोपेनिया और नरिंगिन जैसे कई फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं। इसलिए बच्चों के आहार को संतुलित बनाने के लिए उन्हें चकोतरा दे सकते हैं। चकोतरा में पानी और पोटेशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स की हाई मात्रा छोटे बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचा सकता है। पानी और डायटरी फाइबर की वजह से यह फल बच्चों की आंत को एक्टिव रखने और पाचन में मददगार होता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला फिनोल और फ्लेवेनोन जैसे कंपाउंड्स गट माइक्रोबायोटा को बढ़ावा देने में काफी मददगार हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल से कम उम्र के बच्चों को फलों का रस देना ठीक नहीं होता है। उन्हें चकोतरा ही नहीं किसी भी फल का जूस नहीं देना चाहिए। जूस के मुकाबले फल ज्यादा अच्छे माने जाते हैं। जूस में शुगर की ज्यादा मात्रा होने से दांतों में कैविटी की आशंका रहती है। इसकी वजह से दस्त की समस्या भी हो सकती है। इसलिए एक साल से कम उम्र के बच्चों को फलो का जूस नहीं देना चाहिए।

घर में सफाई के दौरान उडऩे वाली धूल पहुंचाती है नुकसान

घर में साफ सफाई सफाई के दौरान उडऩे वाली धूल और मिट्टी बहुत ज्यादा लोगों को बीमार कर डालती है। हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि सफाई के दौरान उडऩे वाली धूल और मिट्टी गले में जाकर शरीर को बीमार कर डालती है और इससे कई तरह की एलर्जी भी हो जाती है। चलिए जानते हैं कि सफाई के दौरान उडऩे वाली धूल मिट्टी से शरीर को क्या नुकसान होते हैं और इससे कैसे बचा जाए।

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि सफाई के दौरान कई तरह की धूल मिट्टी उड़ती है और ये हवा के जरिए नाक में चली जाती है। इससे शरीर के रेस्पिरेटरी सिस्टम को काफी नुकसान पहुंचता है। कई लोगों को धूल से एलर्जी होती है। ये धूल नाक के जरिए श्वसन प्रणाली में चली जाती है और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, सर्दी जुकाम, नेजल ब्लॉकेज जैसी परेशानियों का कारण बन जाती है। इतना ही नहीं अगर घर में पेंट हो रहा है तो इसमें मौजूद कैमिकल भी आपके रेस्पिरेटरी सिस्टम को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

पेंटिंग कलर में पाया जाने वाला बैंजीन उन लोगो को काफी नुकसान पहुंचाता है जिनको एलर्जी होती है। आप घर साफ करते समय खुद को सेफ रखें। अगर आपको धूल और मिट्टी से एलर्जी है तो आपको इस जगह से दूर रहना चाहिए। अगर आप खुद सफाई कर रहे हैं तो गीला कपड़ा नाक पर बांधकर सफाई करें।

शब्द सामर्थ्य -091

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

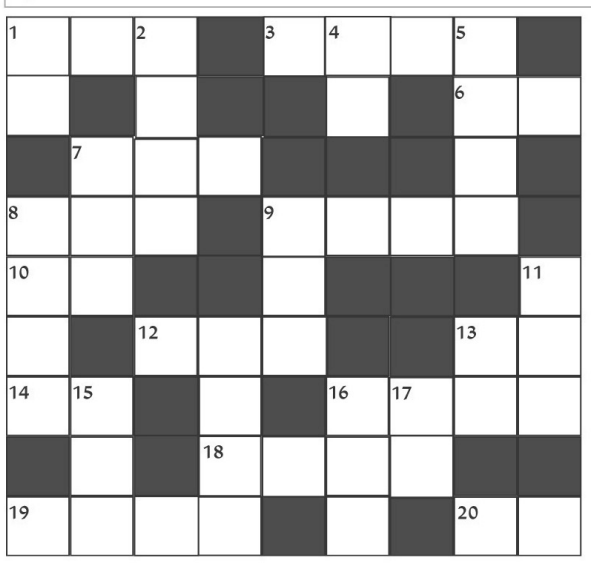

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 90 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

हर महिला के पास होने चाहिए ये मेकअप एसेंशियल्स, आसानी से मिलेगा खूबसूरत लुक

मेकअप हर महिला की सुंदरता को निखारने में मदद करता है। सही मेकअप प्रोडक्ट्स का चयन और उपयोग करना बहुत जरूरी है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे मेकअप एसेंशियल्स के बारे में बताएंगे, जो हर महिला के पास होने चाहिए और जिनका सही तरीके से उपयोग करने पर आप अपने चेहरे को और भी सुंदर बना सकती हैं। इन प्रोडक्ट्स का सही उपयोग करके आप अपने लुक को निखार सकती हैं और आत्मविश्वास बढ़ा सकती हैं।

बेस मेकअप प्रोडक्ट्स का चयन कैसे करें?- बेस मेकअप प्रोडक्ट्स जैसे कि फाउंडेशन, कंसीलर और प्राइमर बहुत जरूरी होते हैं। फाउंडेशन आपके चेहरे की रंगत को समान बनाने में मदद करता है, जबकि कंसीलर डार्क सर्कल्स और दाग-धब्बों को छिपाने में सहायक होता है। प्राइमर त्वचा को मुलायम बनाता है और मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखता है। इन सभी प्रोडक्ट्स का सही चयन और उपयोग करके आप अपने चेहरे को बेहतरीन लुक दे सकती हैं और आत्मविश्वास बढ़ा सकती हैं।

आंखों की सुंदरता बढ़ाने वाले प्रोडक्ट्स- आंखें चेहरे की जान होती हैं। इन्हें खूबसूरत बनाने के लिए आईलाइनर, मस्कारा और आईशैडो का सही उपयोग करना जरूरी है। आईलाइनर आपकी आंखों को गहरा और आकर्षक बनाता है, मस्कारा पलकों को घना और लंबा दिखाती है, जबकि आईशैडो आपकी आंखों की गहराई बढ़ाता है। इन सभी प्रोडक्ट्स का सही उपयोग करके आप अपनी आंखों को निखार सकती हैं और अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं।

गालों को निखारने वाले प्रोडक्ट्स- गालों की रंगत बढ़ाने के लिए ब्लश पाउडर का उपयोग करें। यह आपके गालों को ताजगी भरा दिखाता है और चेहरे पर एक सुंदर चमक लाता है। ब्लश पाउडर चुनते समय अपनी त्वचा की रंगत का ध्यान रखें ताकि यह आपके चेहरे पर प्राकृतिक लगे। इसके अलावा हाइलाइटर का भी उपयोग करें, जो आपकी गालों की ऊंचाई को निखारता है और चेहरे पर एक खास चमक देता है।

होंठों को खूबसूरत बनाने वाले प्रोडक्ट्स- होंठों को आकर्षक बनाने के लिए लिपस्टिक या लिप टिंट का उपयोग करें। यह न केवल आपके होंठों को रंगता है बल्कि उन्हें नमी भी देता है। लिपस्टिक चुनते समय अपने त्वचा की रंगत और मौके का ध्यान रखें ताकि यह आपके चेहरे पर अच्छी लगे। इसके अलावा आप लिप बाम का भी उपयोग कर सकती हैं, जो आपके होंठों को नरम और स्वस्थ बनाए रखता है।

मेकअप सेटिंग स्प्रे का महत्व- मेकअप सेटिंग स्प्रे आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है। इसे लगाने से आपका पूरा मेकअप सेट रहता है और आपको बार-बार टचअप की जरूरत नहीं पड़ती। सही तरीके से मेकअप करने पर आप न केवल सुंदर दिखेंगी बल्कि आत्मविश्वास भी महसूस करेंगी। इन सभी टिप्स को अपनाकर आप अपने मेकअप रूटीन को बेहतर बना सकती हैं और हर मौके पर तैयार दिख सकती हैं।

रोजाना 5 मिनट का ब्रेथर ब्रेक आपको दिनभर रखेगा ऊर्जावान, इसके बारे में जानिए

आजकल की तेज-तर्रार जिंदगी में खुद पर ध्यान देना बहुत जरूरी हो गया है। काम के बीच-बीच में ब्रेक लेना हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। यह हमें ताजगी और ऊर्जा देता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे हम अपने रोजमर्रा के जीवन में 5 मिनट के ब्रेथर ब्रेक को शामिल करके खुद को बेहतर बना सकते हैं। यह एक सरल, लेकिन प्रभावी तरीका है खुद को ताजगी देने का।

गहरी सांस लेना- गहरी सांस लेना खुद को ताजगी देने का एक सरल और असरदार तरीका है। जब भी आप काम कर रहे हों और थकान महसूस करें, थोड़ी देर के लिए अपने काम से ब्रेक लें और गहरी सांस लें। इससे आपके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और तनाव कम होता है। गहरी सांस लेने से आपका मन शांत होता है और आप फिर से तरोताजा महसूस करते हैं। इसे दिन में कई बार दोहराना फायदेमंद हो सकता है।

स्ट्रेचिंग करना- काम करते समय शरीर में अकड़न होना आम बात है, लेकिन इसे दूर करने के लिए कुछ मिनट स्ट्रेचिंग करना बहुत फायदेमंद हो सकता है। अपने हाथ-पैरों को खींचें, गर्दन को घुमाएं और कमर को मोड़ें। इससे खून का बहाव बेहतर होता है और मांसपेशियों की थकान कम होती है। स्ट्रेचिंग करने से आपका शरीर लचीला बनता है और आप फिर से ऊर्जा से भरपूर महसूस करते हैं। इसे रोजाना अपनी दिनचर्या में शामिल करना आसान है।

हल्का चलना- हल्का चलना भी खुद को ताजगी देने का एक अच्छा तरीका है। ऑफिस में थोड़ी देर टहलना या सीढ़ियां चढ़ना आपके शरीर को सक्रिय रखता है और ऊर्जा बढ़ाता है। इससे आपका मन भी तरोताजा होता है और आप फिर से काम पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। हल्का चलना न केवल शारीरिक बल्कि, मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना आसान है और इसके कई लाभ हैं।

पानी पीना- पर्याप्त पानी पीना हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। काम करते समय अक्सर लोग पानी पीना भूल जाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। हर घंटे में एक गिलास पानी पीने की आदत डालें, ताकि आपका शरीर तरोताजा रहे और थकान कम हो। इससे आपकी ऊर्जा स्तर बढ़ता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं। पानी पीने से न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आपका मन भी शांत रहता है।

कोरियन फिल्म में काम करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं अनुष्का सेन!

एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने बड़ी अपलब्धि हासिल की है। वह साउथ कोरियन फिल्म में लीड रोल निभाने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनने वाली हैं। 23 साल की यह स्टार आने वाली रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा जेजू ओले में लीड रोल निभाएंगी, जो भारत और साउथ कोरिया के बीच एक सांस्कृतिक सहयोग है।

फिल्म में अनुष्का ने अलीशा का किरदार निभाया है, जो अपनी बहन को खोने के दुख से उबरने की कोशिश करते हुए साउथ कोरिया के खूबसूरत जेजू आइलैंड पर पहुंचती है। जब वह अपनी भावनाओं को समझने और अपनी जिंदगी को फिर से संवारने की कोशिश करती है, तो उसका सिंगर-सॉन्गराइटर सुनवू (जिसे कोरियन एक्टर कांग ह्युंग-सेओक ने निभाया है) के साथ एक रिश्ता बन जाता है। फिल्म की कहानी जेजू आइलैंड की खूबसूरत लोकेशन पर आधारित है।

हाल ही में, अनुष्का ने द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से फिल्म में काम करने के अपने अनुभव, साउथ कोरिया के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव और एक नई एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की।

इस प्रोजेक्ट के महत्व पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि जेजू ओले का महत्व इसलिए और भी ज्यादा है क्योंकि यह एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं।

अनुष्का ने बताया कि उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान के-ड्रामा देखना शुरू किया था। समय के साथ, उन्हें कोरियन कहानी कहने के अंदाज से प्यार हो गया और अक्सर वह ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का सपना देखती थीं।

उन्होंने कहा कि जेजू ओले जैसी फिल्म में लीड रोल निभाना, किसी सपने के सच होने जैसा है।

यह फिल्म कई जगहों के दर्शकों के लिए बनाई गई है और इसकी शूटिंग पूरे जेजू आइलैंड पर हुई है। फिलहाल, इसे साउथ कोरिया, भारत और कई अन्य एशियाई और मिडिल ईस्ट देशों में रिलीज करने की योजना है।

वरुण धवन की मां का रोल ऑफर होने पर ऐसा था मौनी रॉय का रिएक्शन, ट्रोलिंग पर बोलीं- मुझे फर्क नहीं पड़ता

डेविड धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है' में मौनी रॉय ने वरुण धवन की नकली मां का रोल किया है। इस रोल के चलते उन्हें काफी आलोचना और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। लेकिन इस सबके बावजूद मौनी रॉय इस विवाद से परेशान नहीं हैं। इन बातों को नजरअंदाज करते हुए उनका कहना है कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ डायरेक्टर की सोच के मुताबिक काम करने और उन्हें ठीक वैसा ही देने पर था, जैसा वे चाहते थे।

मौनी रॉय ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कहा कि मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि क्या शोर-शराबा हो रहा था। मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि लोग क्या कह रहे थे।

यह बात बहुत बड़ी बन गई थी कि मेकर्स मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं!' लेकिन मुझे पता था कि मैंने फिल्म में क्या किया है। मुझे पता था कि मेरे डायरेक्टर बहुत खुश थे और फिल्म में जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, वे सभी भी खुश हैं। फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए मौनी ने कहा कि शुरू में अपने रोल के बारे में सुनकर मुझे भी हैरानी हुई थी। सबसे पहले कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने मुझे फोन किया था। जब उन्होंने मुझे रोल के बारे में बताया, तो मेरा पहला रिएक्शन भी यही था। मैंने कहा, उनकी मां? फिर मैंने जाकर डेविड सर और फरहाद सामजी (डायलॉग राइटर) से कहानी सुनी।

मैं जोर-जोर से हंस पड़ी। जरा सोचिए वरुण मनीष को फोन करके कह रहे हैं, मां का फोन कॉल नहीं चाहिए, पूरी की पूरी मां चाहिए। निरूपा रॉय जैसी। और फिर सीन कट होता है और मैं अंदर आती हूं, जहां कोई जिमी सर के किरदार से कह रहा है, क्या यह मां के रोल के लिए थोड़ी छोटी नहीं है?

फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए मौनी ने डेविड धवन के लिए अपनी गहरी पसंद जाहिर की और बताया कि उन्होंने यह प्रोजेक्ट क्यों नहीं छोड़ा। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी फिल्में मेरी दोस्त जैसी हैं। उन्हें देखना मुझे सुकून देता है। उन्होंने कहा था कि यह उनकी आखिरी फिल्म होगी। साथ ही यह एक कॉमेडी फिल्म थी और मैं पहली बार कॉमेडी कर रही थी। इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही थी। उन्होंने मुझे सभी प्रमोशन से दूर रखा। यह एक अच्छा फैसला था क्योंकि इससे लोगों में उत्सुकता जगी कि फिल्म में यह क्या कर रही है।

दून पुलिस परिवार ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 'लोक पर्व हरेला'

संवाददाता

देहरादून। दून पुलिस परिवार ने हर्षोल्लास से हरेला पर्व मनाते हुए एसएसपी ने पुलिस लाइन में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

आज लोक पर्व हरेला के अवसर पर दून पुलिस द्वारा हरियाली का संदेश देते हुए वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

❑एसएसपी ने पुलिस लाइन में वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्यक्रम के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा जनपद के अन्य उच्चधिकारियों के साथ पुलिस लाइन देहरादून में वृक्षारोपण कर आम जन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोक पर्व हरेला की शुभकामनाएं दी।

पुलिस लाइन में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान पुलिस लाइन परिसर में लगभग 100 की संख्या में फलदार तथा छायादार वृक्षों का रोपण किया गया।

हरेला पर्व के दौरान जनपद के सभी थाना/चौकी परिसर में वृहद स्तर पर पौधारोपण करते हुए पूर्व से लगे पौधों व क्यारियों का भी सौंदर्यकरण किया गया। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून, पुलिस अधीक्षक अपराध/ नगर, अपर पुलिस अधीक्षक दूरसंचार, क्षेत्राधिकारी सदर/डालनवाला व अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सू- दोकू क्र.091

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.90 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

विपक्ष के सियासी सुर 'बेसुरे'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में बयान कई बार विपक्ष से ज्यादा सत्ता पक्ष के काम आ जाते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ गोपेश्वर में, जहां बदरीनाथ क्षेत्र से कांग्रेस विधायक लखपत बुटोला ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की खुले मंच से जमकर तारीफ कर राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी। जिस वक्त कांग्रेस पूरे प्रदेश में धामी सरकार को बेरोजगारी, महंगाई, पलायन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर घेरने की रणनीति बना रही है, उसी समय पार्टी के एक विधायक का मुख्यमंत्री की कार्यशैली की सराहना करना कई सवाल खड़े कर रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कांग्रेस के भीतर सरकार को लेकर एक जैसी सोच नहीं है, या फिर यह चुनावी मौसम में बदलते राजनीतिक समीकरणों का संकेत है? राजनीति में विरोधी दल के नेता की तारीफ साधारण घटना नहीं होती। खासकर तब, जब विधानसभा चुनाव में डेढ़ साल से भी कम समय बचा हो।

◆धामी की तारीफ कर कांग्रेस विधायक बुटोला ने अपनी ही पार्टी को किया क्लीन बोल्ड
◆कांग्रेस की घेराबंदी के बीच सीएम धामी के मुरीद हुए विधायक लखपत बुटोला
◆भाजपा को मिला मुफ्त का सर्टिफिकेट, विधायक के बयान ने भाजपा का मनोबल बढ़ाया
◆उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी संदेशों की नई जंग हो गई शुरू

विधायक लखपत बुटोला के बयान को भाजपा निश्चित रूप से यह कहकर भुनाने की कोशिश करेगी कि जब कांग्रेस के विधायक ही मुख्यमंत्री धामी के काम की तारीफ कर रहे हैं, तो विपक्ष के आरोपों का क्या आधार बचता है? यानी भाजपा को बिना मांगे एक ऐसा राजनीतिक प्रमाणपत्र मिल गया, जिसे वह आने वाले दिनों में जनता के बीच बार-बार दोहरा सकती है। कांग्रेस का पूरा राजनीतिक नैरेटिव इस समय धामी सरकार की नीतियों की आलोचना पर आधारित है। पार्टी लगातार सरकार को हर मोर्चे पर घेरने की कोशिश कर रही है। ऐसे में यदि उसी पार्टी का विधायक मुख्यमंत्री की प्रशंसा करता है, तो कार्यकर्ताओं में भी भ्रम की स्थिति पैदा होना स्वाभाविक है। विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत उसका एकजुट संदेश होता है। लेकिन यदि अलग-अलग नेता अलग-अलग संदेश देंगे, तो राजनीतिक हमला स्वत: कमजोर पड़ जाता है।

संभव है कि विधायक ने किसी विशेष विकास कार्य या मुख्यमंत्री के किसी निर्णय की सराहना की हो। लोकतंत्र में अच्छे काम की प्रशंसा करना असामान्य नहीं है। लेकिन राजनीति में समय, मंच और शब्द तीनों का अपना महत्व होता है। चुनावी माहौल में दिया गया हर बयान केवल शिष्टाचार नहीं माना जाता, बल्कि उसके राजनीतिक अर्थ भी निकाले जाते हैं। यही वजह है कि बुटोला के बयान को लेकर कांग्रेस के भीतर भी चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पिछले कुछ समय से लगातार जनसंपर्क, विकास परियोजनाओं और राजनीतिक अभियानों के जरिए अपनी छवि मजबूत करने में जुटे हैं। यदि विपक्ष के नेता भी सार्वजनिक मंच से उनकी प्रशंसा करने लगें, तो भाजपा इसे धामी की बढ़ती स्वीकार्यता के रूप में पेश करेगी। यह भाजपा की चुनावी रणनीति के लिए एक मजबूत प्रचार सामग्री बन सकती है।

कांग्रेस नेतृत्व के सामने अब चुनौती केवल भाजपा से लड़ने की नहीं, बल्कि अपने नेताओं के बयानों में एकरूपता बनाए रखने की भी है। यदि ऐसे बयान लगातार आते रहे, तो भाजपा विपक्ष पर यह तंज कसने से नहीं चूकेगी कि जो सरकार को असफल बताते हैं, उनके अपने विधायक ही सरकार की तारीफ कर रहे हैं। उत्तराखंड की राजनीति में कई बार एक बयान महीनों तक चुनावी मुद्दा बना रहता है। विधायक लखपत बुटोला की टिप्पणी भी अब सामान्य राजनीतिक बयान नहीं रही। यह भाजपा के लिए हथियार और कांग्रेस के लिए असहज सवाल बन चुकी है।

वैसे भी राजनीति में विरोधी की तारीफ करना गलत नहीं, लेकिन चुनावी मौसम में की गई तारीफ कई बार अपने ही तर्कों की नींव हिला देती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस इसे व्यक्तिगत राय बताकर आगे बढ़ती है या भाजपा इसे 2027 तक अपने चुनावी भाषणों का हिस्सा बना लेती है।

पुलिस लाइन चंबा सहित जनपद के सभी थाना परिसरों में हुआ व्यापक वृक्षारोपण

संवाददाता

टिहरी। हरेला पर्व पर एसएसपी श्रीमती श्वेता चौबे ने हरित संकल्प दौहराते हुए पुलिस लाइन सहित जनपद के सभी थाना परिसरों में व्यापक वृक्षारोपण किया।

उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला के शुभ अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के नेतृत्व में पुलिस लाइन चंबा परिसर में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के 200 पौधों का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन एवं हरित उत्तराखण्ड के निर्माण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान एसएसपी श्रीमती श्वेता चौबे ने स्वयं पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, जिम्मेदारी और संरक्षण का प्रतीक है। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान किया, ताकि यह अभियान हरित भविष्य की दिशा में एक स्थायी पहल बन सके।

इस अवसर पर एसएसपी श्रीमती श्वेता चौबे ने पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी रिक्रूट आरक्षियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान उनके द्वारा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण की जिम्मेदारी वे स्वयं निभाएंगे, जिससे प्रत्येक पौधा सुरक्षित रहकर एक सुदृढ़ वृक्ष के रूप में विकसित हो सके। वृक्षारोपण अभियान में पुलिस लाइन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षु पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इस दौरान छायादार, फलदार एवं स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए गए। पुलिस लाइन चंबा के साथ-साथ जनपद के सभी थाना परिसरों में भी हरेला पर्व के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सभी थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। एसएसपी श्रीमती श्वेता चौबे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सतत दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

टिहरी पुलिस ने जनपदवासियों से अपील की कि हरेला पर्व के अवसर पर अधिक से अधिक पौधारोपण करें, लगाए गए पौधों का संरक्षण करें तथा पर्यावरण संरक्षण के इस जन अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएं। 'हर गाँव का यही पैगाम-एक पेड़ माँ के नाम।'

बीएस नेगी महिला पॉलिटेक्निक की छात्राओं को किया विधायक ने पुरस्कृत

संवाददाता

देहरादून विधायक सविता कपूर ने बीएस नेगी महिला पॉलिटेक्निक की छात्राओं को पुरस्कृत किया।

आज यहां बीएस नेगी महिला प्राविधिक प्रशिक्षण संस्थान में एचीवर्स एवार्ड सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर ने शिरकत की तथा छात्राओं को पुरस्कृत किया। अपने सम्बोधन में विधायक सविता कपूर ने कहा कि यह संस्थान देहरादून का एक प्रतिष्ठित संस्थान है और महिला सशक्तिकरण में विशेष भूमिका निभा रहा है। उन्होंने पुरस्कृत छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में श्रीमती नन्दिनी शर्मा (पार्षद), डॉ. जागृति नवानी तथा गवर्निग बॉडी के सदस्य उपस्थित रहे। बीएस नेगी महिला प्राविधिक प्रशिक्षण संस्थान का सत्र 2025-2026 की परीक्षा में छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद रूडकी से संबद्ध इस संस्थान की छात्राओं ने विभिन्न ट्रेडों में टॉप किया। गारमेंट टेक्नोलॉजी विभाग की छात्रा प्रिया मनराज ने 97.12 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं फैशन डिजाइन विभाग की बरखा राणा ने 96.30 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। टैक्सटाइल डिजाइन की छात्रा सृष्टि ने 92.30 प्रतिशत के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट व सेक्रेटेरियल प्रैक्टिसेज में मीनाक्षी ने 88.60 प्रतिशत अंक के साथ चौथा इंटीरियर डिजाइन में प्रज्ञा सैनी ने 88. 01 प्रतिशत अंक हासिल कर पांचवा और पीजीडीसीए में नाजिया ने 79.73 प्रतिशत अंक हासिल कर छठा स्थान हासिल किया। संस्थान की प्राचार्य नमिता मांमगई ने कहा कि अधिकांश छात्राओं का परिणाम 80 से 95 प्रतिशत के बीच रहा।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के समर्थन में नुक्कड़ नाटक

संवाददाता

देहरादून। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के समर्थन में शास्त्री नगर, काँवली स्थित अम्बेडकर भवन के सामने उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर के संयोजन में एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

आज यहां नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के देहरादून के बन्नू स्कूल मैदान में आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के समर्थन में शास्त्री नगर, काँवली स्थित अम्बेडकर भवन के सामने उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर के संयोजन में एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से राज्य एवं देश की वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों, विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं, बेरोजगारी तथा युवाओं के भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दों को प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने युवाओं की पीड़ा और उनके संघर्ष को जीवंत अभिनय के माध्यम से दर्शाते हुए आमजन का ध्यान इन महत्वपूर्ण विषयों की ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया तथा युवाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार जैसे मुद्दों पर व्यापक जनजागरूकता का संदेश दिया गया। उपस्थित नागरिकों एवं युवाओं ने नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए छात्रों के मुद्दों पर अपनी एकजुटता व्यक्त की। कार्यक्रम संयोजक एवं उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर ने उपस्थित विद्यार्थियों, युवाओं एवं आमजन को शाम 5 बजे, बन्नू स्कूल मैदान, देहरादून में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, रोजगार और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाना समय की आवश्यकता है तथा यही इस अभियान का उद्देश्य है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक एवं उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर, ट्विंकल अरोड़ा, अनिल नेगी, अवदेश कुमार, विमलेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय छात्र-छात्राएँ, युवा, कांग्रेस कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

तंत्र-मंत्र के नाम पर ठगने वाले तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने धार्मिक आस्था, तंत्र-मंत्र एवं अंधविश्वास का फायदा उठाकर आम लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से ठगी गयी 4.55 लाख रूपये की नगदी, कार व तंत्र-मंत्र में प्रयुक्त मिट्टी का छोटा मटका व ढक्कन (पीले कपड़े एवं रोली/कलावा से बंधा)बरामद कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना श्यामपुर पुलिस को सूचना मिली कि मन्नत ढाबा, चण्डी माता मंदिर के पास एंडेवर कार में सवार महिला व पुरुष एक व्यक्ति से 4,60,000 की धोखाधड़ी कर फरार हो गए हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल सभी पिकेट एवं चेक पोस्टों को अलर्ट मोड पर करते हुए क्षेत्र में व्यापक चैकिंग एवं नाकाबंदी कराई गई तथा संदिग्ध वाहन की तलाश के प्रयास शुरु किए गए। साथ ही आज सुबह पीड़ित विनोद कुमार निवासी सोनीपत (हरियाणा) के शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। जांच में सामने आया कि ठगी के आरोपियो द्वारा 'अघोरा' नाम से एक यूट्यूब चैनल संचालित किया जा रहा था जिसके माध्यम से ये गिरोह तंत्र-मंत्र, पूजा-पाठ एवं कथित चमत्कारों से संबंधित वीडियो अपलोड कर आमलोगों/ सोशल मीडिया यूजर्स को अपने झांसे में लेता था। इसी तरह गिरोह के झांसे में आकर हरियाणा निवासी पीड़ित को चण्डी

गिरफ्तार लोगों में महिला भी शामिल, ठगे गए 4.55 लाख रुपये व लग्जरी वाहन बरामद

देवी मंदिर के पास विशेष पूजा कराने के लिए बुलाया गया था जिसका खर्चा 4,60,000 रूपये बताया गया। तय योजना के अनुसार गिरोह के सदस्यों ने पीड़ित को एक लाल धागे से बंधा मिट्टी का मटका देकर मंत्र जाप करने को कहा तथा नकदी से भरा बैग अपनी कार में रखवा लिया।

इसके बाद पूजा की सामग्री लाने का बहाना बनाकर मौके से फरार हो गए। जिन्हे पुलिस ने आज सुबह माइनिंग चेक पोस्ट, चिड़ियापुर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम मलकीत उर्फ राकेश शर्मा उर्फ मोहित पुत्र श्रवण सिंह उर्फ नमो शान्त शर्मा, निवासी मोहल्ला चारजान, कस्बा मंडावर, जनपद बिजनौर हाल निवासी चन्द्रमणी, देहरादून, मोन्टी जोशी पुत्र मुनेश कुमार जोशी, निवासी सब्जी मंडी के पास, थाना पटेलनगर, देहरादून, व युवती निवासी थैलीसैण जनपद पौड़ी गढ़वाल, हाल निवासी तुनवाला, भद्रकाली, देहरादून बताया। पुलिस ने उनके पास से 4 लाख 55 हजार की नगदी, घटना में प्रयुक्त कार व तंत्र मत्र में प्रयुक्त सामान बरामद कर लिया है। पूछताछ में इस ठगी गिरोह के सदस्यों ने स्वीकार किया कि वे सोशल मीडिया एवं यूट्यूब के माध्यम से लोगों में विश्वास पैदा कर उन्हें अंधविश्वास एवं भय का शिकार बनाते थे तथा पूजा-पाठ एवं तंत्र-मंत्र के नाम पर लाखों रुपये एवं आभूषण हड़प लेते थे।

भारत विकास परिषद भेल शाखा का दायित्व ग्रहण समारोह सम्पन्न

हमारे संवाददाता

देहरादून। भारत विकास परिषद की दायित्व ग्रहण समारोह एवं कार्यशाला का आयोजन एक स्थानीय होटल में किया गया। कार्यशाला में प्रांतीय अध्यक्षा श्रीमती मनीषा सिंघल ने भारत विकास परिषद से संबंधित विस्तार पूर्वक सभी जानकारी दी।

दायित्व ग्रहण समारोह के अंतर्गत ललित चंद्र पाण्डेय प्रांतीय संयोजक प्रचार प्रसार ने सभी 2026-27 नए सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाई। तथा उन सभी सदस्यों को भारत विकास परिषद परिवार में सम्मिलित किया गया। प्रांतीय संयोजक प्रसार प्रचार के पी सिंह ने पर्यावरण के बारे में विस्तार से बताया तथा प्रांत की गयी नीतियों के बारे में बताया गया।

नई टीम में चुने हुए अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने आगामी कार्यकाल में पेड़ों को लगाने की बात कही तथा परिषद के जो नियम है और कानून है उन पर चलने की बात कही। एक स्कूल में छोटे बच्चों के लिए पानी का कूलर डोनेट करने की भी बात अध्यक्ष ने कही। जिसमें हाल ही में नए सदस्य बने रवि कुमार गुप्ता ने 11000/- देने की बात कही। इसके साथ साथ प्रांतीय अध्यक्ष के आह्वान पर भेल शाखा के लगभग ग्यारह सदस्यों ने विकास मित्र बनने का निर्णय लिया। जिनका जोरदार तालियों से स्वागत किया गया।

कार्यशाला एवं दायित्व ग्रहण के अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती मनीषा सिंघल, प्रांतीय संयोजक ललित चंद्र पाण्डेय, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष आदर्श पाल तोमर, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष वैध एम आर शर्मा, आशुतोष शर्मा, नरेश जैनर, सुरेश जेनर, विजय कुमार सेठी, एन के शर्मा, विशम्भर दयाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

8 लाख रूपए के पाइप के साथ दो लोग गिरफ्तार!

हमारे संवाददाता

टिहरी। गजा-चम्बा मोटर मार्ग स्थित पम्पिंग योजना के तहत कार्य हेतू लाये गये पाइप चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुराये गये करीब आठ लाख के पाइप व घटना में प्रयुक्त ट्रक बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 14 जुलाई को जयराज सिंह खण्डका पुत्र प्रेम सिंह, निवासी ग्राम साबली, कोतवाली चम्बा, जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा गजा-चम्बा मोटर मार्ग स्थित पम्पिंग योजना के 32 लोहे के पानी के पाइप (5 इंच व्यास एवं 18 फीट लम्बाई) अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी किए जाने संबंधी तहरीर कोतवाली नरेन्द्रनगर में दी गई। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा जब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो पुलिस को चोरो की पहचान हो गयी। जिन्हे पुलिस ने बीती रात सलेमपुर, मंगलौर से गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास से चोरी किये गये सभी 32 पाइप, अन्य स्क्रैप सामग्री एवं घटना में प्रयुक्त ट्रक बरामद कर लिया गया।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम शहबान पुत्र शहजाद, निवासी टाण्डा भनेड़ा, थाना मंगलौर, जिला हरिद्वार, हाल निवासी सलेमपुर दादूपुर, थाना रानीपुर, जिला हरिद्वार व उस्मान पुत्र एहसान, निवासी टाण्डा भनेड़ा, थाना मंगलौर, जिला हरिद्वार, हाल निवासी ग्राम ताताहेड़ी, थाना गंगोह, जनपद सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) बताया। बताया कि वे हरिद्वार से टिहरी जनपद के चम्बा, खाड़ी एवं गजा क्षेत्र में ट्रक द्वारा ईंट सप्लाई का कार्य करते हैं। वापसी के दौरान ट्रक खाली होने पर अतिरिक्त लाभ कमाने के उद्देश्य से कबाड़ भी ले जाते थे।

लगभग 15 दिन पूर्व ईंट सप्लाई के दौरान उनकी नजर गजा क्षेत्र में रखे पम्पिंग योजना के पाइपों पर पड़ी और तभी उन्होंने उन्हें चोरी करने की योजना बनाई। चम्बा में ईंट उतारने के बाद वापसी के दौरान उन्होंने उक्त 32 पाइप ट्रक में लाद लिए तथा उन्हें रुड़की स्थित कबाड़ी को बेचने के उद्देश्य से ले जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस टीम ने उन्हें दबोच लिया गया।

उत्तराखंड में बढ़ रही है न्यायालय में भ्रष्टाचार के लम्बित केसों की संख्या

हमारे संवाददाता

काशीपुर/देहरादून। उत्तराखंड सरकार भले ही भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेन्स का कितना ही दावा करें लेकिन उत्तराखंड में भ्रष्टाचार के आरोपियों के लम्बित मुकदमों में लगातार वृद्धि हो रही हैं। वर्ष 2023 के प्रारंभ में उत्तराखंड के भ्रष्टाचार के तीन विशेष न्यायालयों में लम्बित भ्रष्टाचार के केसों की संख्या 368 थी वह 2025 के अंत/2026 के प्रारंभ में बढ़कर 506 हो गयी है। यह जानकारी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन को उत्तराखंड उच्च न्यायालय के लोक सूचना अधिकारी द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड उच्च न्यायालय के लोक सूचना अधिकारी से उत्तराखंड के भ्रष्टाचार निवारण सम्बन्धी विशेष न्यायालयों में लंबित केसों व लंबित केसों से सम्बन्धित विवरण की सूचना चाही थी। जिसके उत्तर में 2026 में पत्रांक 946 से राज्य लोक सूचना अधिकारी/ज्वाइंट रजिस्टर एच.एस. जीना ने सूचना उपलब्ध करायी है। इससे पूर्व 2024 तथा 2025 में भी सम्बन्धित विवरणों की सूचना तत्कालीन लोक सूचना अधिकारियों द्वारा उपलब्ध करायी गयी है।

उपलब्ध 31-12-25 के भ्रष्टाचार निवारण से सम्बन्धित अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित व निस्तारित केसों के विवरण के अनुसार 31 दिसम्बर 2025 को उत्तराखंड के 3 भ्रष्टाचार निवारण विशेष न्यायालयों में कुल 506 केस लंबित थे। इसमें अपर जिला स्पेशल जज एन्टी

◆2023 के प्रारंभ में थे विशेष न्यायालयों में 368 लम्बित केस- 2026 के प्रारंभ में बढ़कर हुये 506, सूचना के अधिकार से हुआ खुलासा

भ्रष्टाचार करप्शन (सी.बी.आई.) देहरादून न्यायालय में 64, चतुर्थ अपर जिला जज/स्पेशल जज एन्टी करप्शन (विजिलेंस) देहरादून में 248 केस तथा द्वितीय अपर जिला जज एन्टी करप्शन हल्द्वानी में लंबित 194 केस शामिल है। वर्ष 2023 की प्रथम तिमाही के विवरण के अनुसार 2023 के प्रारंभ में कुल 368 केस लंबित थे जिसमें सी.बी.आई. कोर्ट देहरादून में 48, विजिलेंस कोर्ट देहरादून में 192 तथा हल्द्वानी में 128 केस शामिल थे। वर्ष 2023 में कुल 98 केस नये दायर हुये तथा केवल 33 केसों का निपटारा हुआ। 2023 के अंत में बढ़कर लंबित केसों की संख्या 433 हो गयी। वर्ष 2024 में कुल 79 केस नये दायर हुये तथा केवल 32 केसों का निपटारा हुआ 2025 के अंत में बढ़कर लंबित केसों की संख्या 480 हो गयी। वर्ष 2025 में 48 केस दायर हुये 22 निपटारा हुये तथा लंबित केसों की संख्या 506 हो गयी।

उपलब्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के हाईकोर्ट में लंबित व निस्तारित केसों के विवरण के अनुसार वर्ष 2023 के प्रारंभ में कुल 226 केस लंबित थे जिसमें 183 अपील, 16 रिवीजन, 27 विविध प्रार्थना पत्र धारा 482 शामिल थे। वर्ष 2023 के अंत में बढ़कर 249 हो गये जिसमें 199 अपील, 16 रिवीजन, 34 विविध प्रार्थना पत्र शामिल थे। वर्ष 2024 के अंत में बढ़कर कुल 294 हो गये जिसमें 200 अपील, 40 रिवीजन तथा 36 विविध प्रार्थना पत्र धारा 482, 8 विविध प्रार्थना पत्र धारा 528 तथा 10 जमानत प्रार्थना पत्र शामिल थे। वर्ष 2025 के अंत तथा 2026 के प्रारंभ में हाईकोर्ट में भ्रष्टाचार सम्बन्धी लंबित केसों की संख्या कुछ कम होकर 290 हो गयी इसमें 201 अपील, 23 रिवीजन तथा 34 विविध प्रार्थना पत्र धारा 482 तथा 29 विविध प्रार्थना पत्र धारा 528 तथा 3 जमानत प्रार्थना पत्र शामिल थे।

होटल में लगी भीषण आग

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। नगर के व्यस्त चौघानपाटा बाजार स्थित पार्क व्यू रेस्टोरेंट में बीते दोपहर एलपीजी गैस रिसाव के कारण अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरे रेस्टोरेंट को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि समय रहते सभी ग्राहक, कर्मचारी और रेस्टोरेंट संचालक सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगते ही आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया। पानी की बाल्टियों और फायर एक्सटिंग्विशरों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया, जिससे आग का फैलाव कुछ हद तक रोका जा सका। सूचना मिलने पर लगभग आधे घंटे के भीतर फायर स्टेशन अल्मोड़ा की टीम आवश्यक अग्निशमन उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

जांच में आग लगने का कारण एलपीजी सिलेंडर से गैस रिसाव माना जा रहा है। गैस रिसाव के बाद आग तेजी से फैली और रेस्टोरेंट के भीतर रखा फर्नीचर, रसोई का सामान, विद्युत उपकरण सहित अधिकांश सामग्री जलकर राख हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। दमकल कर्मियों ने मिनी फायर इंजन से पंपिंग कर होज पाइप के माध्यम से आग बुझाने का अभियान चलाया। इस दौरान रेस्टोरेंट के भीतर मौजूद जलते हुए एलपीजी सिलेंडरों को अत्यंत सावधानी और सूझबूझ के साथ ठंडा कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। साथ ही लकड़ी की छत तक पहुंच चुकी आग को भी समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। फायर सर्विस की त्वरित कार्रवाई के चलते आग आसपास की दुकानों और भवनों तक नहीं फैल सकी। यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो चौघानपाटा बाजार में बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल अग्निशमन विभाग और संबंधित अधिकारी आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

डंपर खाई में गिरा, दो लोगों की मौत

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ हाईवे पर बीती देर रात बड़ा सड़क हादसा हो गया। फाटा-बड़ासू मोटर मार्ग पर तरसाली (चंडिका धार) के पास एक डंपर अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में डंपर सवार संजय राणा (45) और मोहन की दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने चीख-पुकार सुनकर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद एसडीआरएफ, पुलिस, फायर सर्विस और 108 एम्बुलेंस की टीमे मौके पर पहुंची। अंधेरा और गहरी खाई होने के बावजूद जवानों ने रोप रेस्क्यू तकनीक की मदद से नीचे उतरकर संयुक्त अभियान चलाया और शवों को बाहर निकाला। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, प्रशासन दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहा है।

सरकारी राइफल छीनने की कोशिश में 1 की मौत, 3 जवान घायल

संवाददाता

जम्मू। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में कथित तौर पर एक व्यक्ति द्वारा सुरक्षाकर्मियों की सरकारी राइफल छीनने का प्रयास किए जाने के बाद हुई गोलीबारी में उसकी मौत हो गयी, जबकि विशेष अभियान समूह (एसओजी) के तीन जवान घायल हो गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के संबंध में एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया गया है। जम्मू कश्मीर में सरकारी राइफल छीनने की कोशिश नाकाम हालांकि, घटना से उसका क्या संबंध है, यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऊंचाई वाले क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद

एसओजी की एक टीम बृहस्पतिवार को भद्रवाह कस्बे से लगभग 35 किलोमीटर दूर जाइ-गंडोह मार्ग पर घात लगाकर बैठी थी।

उन्होंने बताया कि रात करीब साढ़े 11 बजे एसओजी टीम ने एक युवक को रोका, जिसने कथित तौर पर सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर उनकी सरकारी राइफल छीनने का प्रयास किया।

अधिकारी ने कहा, हाथापाई के दौरान एसओजी के एक जवान ने गोली चला दी। इसमें युवक को गोली लगी, जबकि तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

दून से राहुल गांधी का युवा दांव

कार्यालय संवाददता

देहरादून। देहरादून एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं और छात्रों से सीधा संवाद करना है। कार्यक्रम का घोषित उद्देश्य छात्रों की समस्याओं को सुनना और उनकी आवाज को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना है, लेकिन राजनीतिक जानकार इसे केवल एक छात्र संवाद नहीं, बल्कि आगामी चुनावों की रणनीतिक भूमिका के रूप में भी देख रहे हैं।

राहुल गांधी ने संवाद के दौरान बेरोजगारी, पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा करेंगे। वह छात्रों से सवाल भी लेंगे और उनके अनुभव भी सुनेंगे। कार्यक्रम में मौजूद कई छात्रों ने प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही देरी, बार-बार पेपर लीक होने और रोजगार के सीमित अवसरों को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त करेंगे। देश भर में पिछले कुछ वर्षों के दौरान कई भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक विवादों में घिरी हैं। उत्तराखंड भी इससे अछूता नहीं रहा। यूकेएसएसएससी भर्ती घोटाले से लेकर अन्य भर्ती प्रक्रियाओं पर उठे सवालों ने युवाओं के मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा किया है। इसी पृष्ठभूमि में राहुल गांधी ने कहा कि पेपर लीक केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब मेहनत करने वाला छात्र वर्षों तैयारी करता है और फिर परीक्षा रद्द हो जाती है, तो केवल एक परीक्षा नहीं टूटती, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीदें टूटती हैं।

❑उत्तराखंड से 2027 का चुनावी नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रही है कांग्रेस

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी का यह कार्यक्रम केवल छात्र हितों तक सीमित नहीं है। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां अभी से शुरू हो चुकी हैं। कांग्रेस युवाओं, बेरोजगारों और प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों को एक बड़े राजनीतिक वर्ग के रूप में देख रही है। उत्तराखंड में बेरोजगारी लंबे समय से एक बड़ा मुद्दा रही है। पहाड़ों से पलायन, सीमित औद्योगिक विकास और सरकारी नौकरियों की घटती संख्या के कारण युवाओं में असंतोष बढ़ा है। कांग्रेस इसी असंतोष को राजनीतिक समर्थन में बदलने की रणनीति पर काम करती दिखाई दे रही है।

उत्तराखंड की राजनीति लंबे समय तक सड़क, बिजली, पानी और क्षेत्रीय अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन अब कांग्रेस युवाओं, रोजगार और शिक्षा को चुनावी विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास कर रही है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यदि कांग्रेस बेरोजगारी, पेपर लीक और पलायन जैसे मुद्दों पर युवाओं को संगठित करने में सफल होती है, तो 2027 के विधानसभा चुनाव में यह एक महत्वपूर्ण फैक्टर बन सकता है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।

मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।